टी.एफ.आर.आई.
समाचार पत्र

अंक - 1 जनवरी-फरवरी 2022

निदेशक की कलम से...

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान परिवार की ओर से बधाई

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून (पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार) की एक स्वायत्त परिषद के अंतर्गत नौ क्षेत्रीय संस्थानों में से एक है। संस्थान, अपने छिंदवाड़ा स्थित कौशल विकास एवं वन अनुसंधान केंद्र के साथ न केवल बुनियादी ढांचे के मामले में तेजी से आगे बढ़ा है एवं भारत के मध्य क्षेत्र के राज्यों मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में जंगलों की वानिकी और पारिस्थितिकी संबंधी समस्याओं पर अनुसंधान के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में भी विशिष्ट स्थान रखता है।

संस्थान के प्रयासों से मध्य भारत में वन और निजी भूमि पर वृक्षारोपण के विस्तार के लिए विभिन्न तकनीकों का विकास किया गया है, जिसमें सिल्विकल्चर, कृषि–वानिकी, वन संरक्षण, जैव प्रौद्योगिकी, वृक्ष सुधार और पर्यावरण के क्षेत्र में विकसित प्रौद्योगिकी और अन्य प्रारूपों के साथ ही लघु और दीर्घकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं और जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से उपयोगकर्ता एजेंसियों तथा हितधारकों के लिए प्रबंधन प्रथाओं का विस्तार किया गया है।

संस्थान वनवासियों को समय – समय पर तकनीकी कौशल भी प्रदान कर रहा है, और उपलब्ध वन संसाधन आधार के सतत् उपयोग के माध्यम से उनकी आजीविका के अवसरों को बढ़ाने में उनका मार्गदर्शन भी कर रहा है। किसानों और अन्य हितधारकों को उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर ने प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण के लिए राज्यों में वन विज्ञान केंद्र भी स्थापित किए हैं।

मैं श्री अरुण सिंह रावत, महानिदेशक, भारतीय वन सेवा, भा.वा.अ.अ.शि.प., देहरादून को संस्थान के अधिदेश को क्रियान्वित करने में उनके अपार समर्थन और मार्गदर्शन के लिए अपना हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं।

माह जनवरी एवं फरवरी, 2022 के दौरान संस्थान की विभिन्न गतिविधियों को प्रदर्शित करते हुए उ.व.अ.स. समाचार–पत्र का पहला अंक प्रकाशित करते हुए अंत्यत हर्ष हो रहा है। मुझे आशा है कि यह समाचार पत्र वानिकी अनुसंधान से संबंधित शोधकर्ताओं, विभिन्न हितधारकों के लिए बहुत उपयोगी होगा।

डo जी. राजेश्वर राव, ए.आर.एस.
निदेशक,टी.एफ.आर.आई. जबलपुर

अनुक्रमणिका

- आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण हेतु आयोजित कार्यक्रम
- संधि और सहभागिता
- महत्वपूर्ण अनुसंधान एवं गतिविधियाँ
- परामर्शदात्री सेवाएं
- समझौता ज्ञापन
- संस्थान में गणमान्य व्यक्तियों का दौरा कार्यक्रम
- परिचायात्मक दौरा
- विस्तार गतिविधियां एस0एफ0डी0 / उद्योगपति / अन्य
- कार्यशाला
- आयोजन में भाग लेना
- अंतर्राष्ट्रीय परियोजनायें / अनुदान
- प्रकाशन

आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण पर आयोजित कार्यक्रम

कौशल विकास के लिए वन अनुसंधान केंद्र, छिंदवाड़ा (वर्चुअल मोड) द्वारा –

- ATASH कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, पांडुर्णा जिला–छिंदवाड़ा के बी.एस.सी. एवं एम.एस.सी. छात्रो के लिए ''जैव विविधता संरक्षण'' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम दि0 31 जनवरी, 2022 को आयोजित किया गया।
- डेनियलसन कॉलेज, छिंदवाड़ा के बी.एस.सी. और एम.एस.सी. के छात्रों के लिए आजादी का अमृत महोत्सव के तहत् ''जैव विविधता संरक्षण'' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, दि0 13 जनवरी 2022 को आयोजित किया गया।

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर (वर्चुअल मोड) द्वारा

- वैज्ञानिकों, वनपालों, शिक्षाविदों और छात्रों के लिए '' पादव जैव प्राघौगिकी'' पर
- दि0 5 – 6 जनवरी, 2022 को प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।
- भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् देहरादून के तकनीकी कर्मचारियों के लिए ''नर्सरी विकास और वनस्पति प्रसार'' पर मानव संसाधन विकास प्रशिक्षण के अंतर्गत दि0 17 से 21 जनवरी, 2022 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जैव प्रौद्योगिकी पर प्रशिक्षण

जैव विविधता संरक्षण पर प्रशिक्षण

संधि और सहभागिता

राष्ट्रीय कृषि विस्तार और प्रबंधन संस्थान (मैनेज), हैदराबाद के सहयोग से भारत के स्थापित कृषि–उद्यम के लिए (वर्चुअल मोड) 'एग्रोफोरेस्ट्री और मूल्य संवर्धन में अवसर' पर प्रथम प्रशिक्षण कार्यक्रम दि0 15 से 17 फरवरी, 2022 को उ.व.अ.स., जबलपुर मे आयोजित किया गया।

मिजोरम, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के बांस कारीगरों, उद्यमियों एवं हितधारकों के लिये फाउंडेशन फॉर एम.एस.एम.ई. क्लस्टर्स, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित ''बैम्बू एंटरप्रेन्योर्स'' के अंतर्गत दौरा कार्यक्रम दि0 17 फरवरी 2022 का आयोजन किया गया।

टी.एफ.आर.आई.
समाचार पत्र

अंक - 1 जनवरी-फरवरी 2022

महत्वपूर्ण अनुसंधान एवं गतिविधियाँ

ए.आई.सी.आर.पी.–बांस परियोजना के तहत् टी.एफ.आर.आई. परिसर के प्रदर्शन भूखंड में बांस की चार प्रजातियां– ***बंबूसा टुल्डा***(बंगाल बांस), ***बंबूसा वल्गारिस*** (कॉमन बैम्बू), ***बंबूसा नूटन***(माई बोंग) और ***बंबूसा बालकूआ*** (फीमेल बैम्बू) रोपित किये गए।

वृक्षारोपण के लिए सिल्वीकल्चर नर्सरी में उगाए गए बांस की प्रजातियों के पौधे

प्रदर्शन के लिए टी.एफ.आर.आई. परिसर में प्रत्यारोपित बंबुसा न्यूटन

प्रदर्शन के लिए टीएफआरआई परिसर में बंबूसा तुल्डा वृक्षारोपण की स्थापना की

टी.एफ.आर.आई. में स्थापित परियोजना के तहत बांस वृक्षारोपण का एक वृहद्वलोकन

महाराष्ट्र के रायगढ़ सर्कल में वितरित ***मणिलकारा हेक्सांद्रा*** (खिरनी), ***हल्दीना कॉर्डिफोलिया*** (हल्दू), ***टर्मिनेलिया चेबुला*** (हर्रा), ***टर्मिनेलिया टोमेंटोसा*** (साज), ***गार्सिनिया इंडिका*** (कोकम) की प्राकृतिक आबादी पर आंकडो के संग्रह के लिए सर्वेक्षण किया गया।

रायगढ़ सर्कल में ***टर्मिनलिया टोमेंटोसा*** के अंकडे का संग्रह

नम पर्णपाती वन, रायगढ़ सर्कल (महाराष्ट्र) में ***एनोगिएसस लैटिफोलिया*** सर्वेक्षण

रायगढ़ वन मंडल में गार्सिनिया इंडिका का सर्वेक्षण

रायगढ़ वन अंचल में स्टरकुलिया यूरेन का सर्वेक्षण

छत्तीसगढ़ के बस्तर एवं मरवाही वन संभाग के वन क्षेत्रों में लैंटाना प्रजाति को हटाने के प्रभाव का आकलन हेतु प्रायोगिक सर्वेक्षण किया गया।

लैंटाना हटाए गए क्षेत्र का वनस्पति सर्वेक्षण

फील्ड साइट का मूल्यांकनः छत्तीसगढ़ वन विभाग के साथ उवअस, जबलपुर टीम का सयुक्त दौरा।

टी.एफ.आर.आई.
समाचार पत्र

अंक – 1 जनवरी–फरवरी 2022

- मध्य प्रदेश के 10 कृषि जलवायु क्षेत्रों के 11 औषधीय पादप संरक्षण क्षेत्रों (एम.पी.सी.ए.) से काली मूसली के कंद एकत्र किए गए व इनके रूपात्मक लक्षण दर्ज किए गए।
- काली मूसली में एक सक्रिय संघटक एच.पी.एल.सी. तकनीक का उपयोग करके नमूनों में मात्रा निर्धारित की गणना की गई । एम.पी.सी.ए. बुधनी,
- सीहोर (म.प्र.) के प्रकंद नमूनों में क्यूकुलिगोसाइड की मात्रा अधिक पायी गयी।

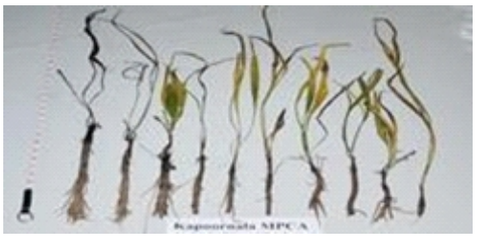

विभिन्न एमपीसीए से काली मूसली के एकत्रित नमूने

कंदों का अंकुरण

- ***केरिया आर्बोरिया*** छाल और ***वुडफोर्डिया फ्रूटिकोसा*** फूलों के नमूनों से प्राकृतिक रंगों के निष्कर्षण के लिए प्रोटोकॉल विकसित किया गया।

महुआ के फूलों से एनर्जी बार तैयार किये गये ।

विभिन्न पौधों की सामग्री के संयोजन का उपयोग करके मच्छर भगाने वाली अगरबत्ती विकसित की गई हैं एवं मच्छर भगाने का परीक्षण प्रगति पर है।

- वन आनुवंशिक संसाधनों के संरक्षण के लिए, ***टैरोकार्पस मार्सुपियम*** (विजयसार), ***ब्रिडेलिया रेटुसा*** (स्पिनस कीनो ट्री), ***हल्दीना कॉर्डिफोलियॉ*** (हल्दू), ***बोसवेलिया सेराटा*** (शल्लकी) , ***मित्रागिना परविफोलिया*** (कदम), और ***बुकनानिया लैंजान*** (चिरोंजी) के 20 पेड़ों और ***कॉर्डिया मैकलियोडी*** (दहिमन या दहीपलॉस) के 7 पेड़ों को खैरागढ़ वन प्रभाग, छत्तीसगढ़ से बीज संग्रह और क्षेत्र की स्थापना (जीन बैंक) के लिए चुना गया ।

- डिंडोरी और मंडला, मध्य प्रदेश से श्रेष्ठ 10 चयनित वृक्षों में से वंशजों का चयन किया गया तथा 40 रूट स्टॉक में कलम बॉधना ।

कलम बांधने की तकनीक क) वंश चयन, बी) संग्रह, सी) क्लेफ्ट ग्राफ्टिंग और डी) ग्राफ्टेड पौधे

टी.एफ.आर.आई.
समाचार पत्र

अंक - 1 जनवरी-फरवरी 2022

- सागौन के क्लोन–2, क्लोन–5 और क्लोन–1 का गुणन जारी है। टी.एफ.आर.आई. जबलपुर स्थित टीक के क्लोनल सीड ऑर्चर्ड से क्लोन पीटी –46 के कली टीकाकरण के माध्यम से इन विट्रो एसेप्टिक संस्कृतियों की स्थापना की गई है।

वृक्षारोपण का अवलोकन, ए), बी), सी) बंजार, डी) बरगी, मध्य प्रदेश, ई) क्लोन –2 में शूट गुणन, एफ), जी) क्लोन –5, और एच) क्लोन सीएच एसपीए 20 की कली परखनली।

मेलिया दूबिया (मालाबार नीम) के 50 उन्नत जीनोटाइप मूल्यांकन एवं परीक्षण हेतु – मुरैना, छिंदवाड़ा (मध्य प्रदेश), नागपुर, अमरावती (महाराष्ट्र) और दुर्ग (छ.ग) चयनित स्थल ।

कलिंगा, ओडिशा से बांस की विभिन्न प्रजातियां – ***बम्बुसा बालकूआ*** (फीमेल बैम्बू), ***बंबुसा टुल्डा*** (बंगाल बांस), ***बंबुसा नूटन*** और ***बंबुसा वल्गारिस*** (कॉमन बैम्बू), के चयनित तीन कैंडिडेट प्लस क्लंप सी.पी.सी. एस. (CPCs) और उनके प्रकंदों को एकत्र किया गया एवं उ.व.अ.स. ,जबलपुर में जर्मप्लाज्म बैंक में लगाया गया। ***बंबुसा न्यूटन*** (माई बोंग), ***बंबुसा वल्गारिस*** (कॉमन बैम्बू), के छह सी.पी.सी. एस. (CPCs) और बंबुसा टुल्डा के तीन सी.पी.सी. एस. (CPCs) खंडागिरी, ओडिशा से चुने गए और उनके प्रकंदों को एकत्र किया गया तथा टी.एफ.आर.आई., जबलपुर में जर्मप्लाज्म बैंक में लगाया गया है ।

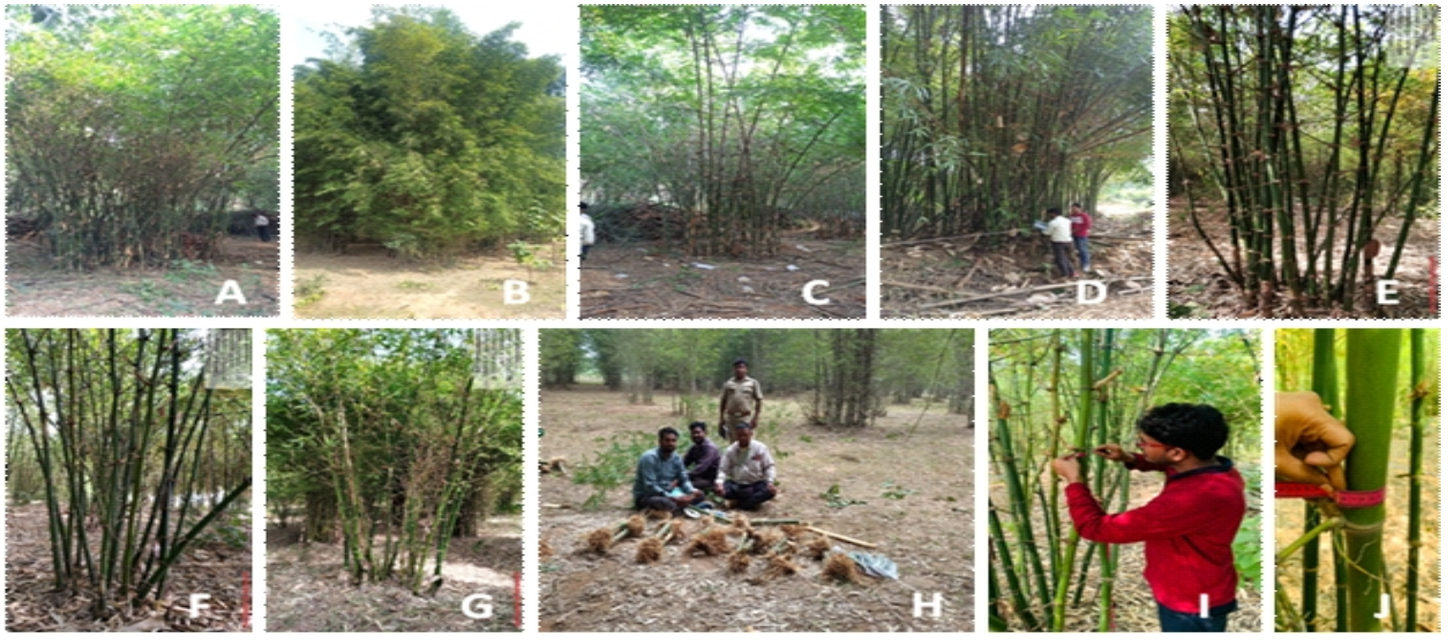

चयनित सी.पी.सी.एस. (CPCs) ए) बम्बुसा बालकूआ, बी) ***बम्बुसा न्यूटन, सी) बम्बुसा बालकूआ, डी) बम्बुसा टुल्डा कलिंग,*** ओडिशा, ई) ***बम्बुसा टुल्डा,*** देवास, मध्य प्रदेश, एफ) ***बम्बुसा न्यूटन,*** जी) के चयनित सीपीसी। ***बम्बुसा बालकूआ,*** अमरावती, महाराष्ट्र में, एच) एकत्रित राइजोम, आई) एवं जे) CPC का मापन

टी.एफ.आर.आई.
समाचार पत्र

अंक – 1 जनवरी–फरवरी 2022

3 हेक्टेयर भूमि में कछारवार, उमरिया, मध्य प्रदेश में बम्बुसा बाँस का रोपण किया एवं मानपुर (म0प्र0) में किसानों के खेत में प्रदर्शन हेतु रोपित किये गये।

कछरवार एवं उमरिया में बांस का पौधारोपण

किसान के खेत में मैनपुर, उमरिया में पौधारोपण

विभिन्न वन वृक्ष प्रजातियों की पानी की आवश्यकता का आकलन और उपभूमि नमी पर इसके प्रभाव का विश्लेषण

टी.एफ.आर.आई ने आटोमेटिक वेदर स्टेशन मोइयानाला, पश्चिम मंडला वन विभाग में और दूसरा उ.व.अ.स. ,जबलपुर परिसर में स्थापित किया है एवं चार वृक्ष प्रजातियो

1. ***शोरियॉ रोबस्टा*** (साल का पेड़),
2. ***टेक्टोना ग्रैंडिस*** (सागौन),
3. ***टेरोकार्पस मार्सुपियम*** (विजयसार),
4. टर्मिनेलिए अर्जुन (अर्जुन वृक्ष)

की पानी की आवश्यकता पर अनुसंधान किया जा रहा है।

उ.व.अ.स. जबलपुर स्थित लीफ वाटर पोटेंशियल सिस्टम का फील्ड प्रदर्शन

दीर्घकालिक निगरानी के माध्यम से भारतीय वनों पर जलवायु संचालित प्रभावों का अध्ययन।

10 हेक्टेयर के भूखंड से मिट्टी का नमूना संग्रह आरंभ किया गया और विश्लेषण के लिए 6 हेक्टेयर से 54 गड्ढों के 30 समरूप नमूने एकत्र किए गए ।

टी.एफ.आर.आई.
समाचार पत्र

अंक - 1 जनवरी-फरवरी 2022

वानिकी हस्तक्षेपों के माध्यम से नर्मदा नदी के कायाकल्प पर डीपीआर तैयार करना:

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान ने 'वानिकी हस्तक्षेप के माध्यम से नर्मदा नदी के कायाकल्प पर विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डी0पी0आर0) एक महत्वाकांक्षी परियोजना को पूरा किया है। संस्थान द्वारा तीन परिदृश्यों में वानिकी हस्तक्षेप का प्रस्ताव दिया है: विभिन्न वन प्रभागों के लिए प्राकृतिक, कृषि और शहरी जहां से नर्मदा नदी छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात राज्यों से होकर गुजरती है। 5 वर्षीय कार्यान्वयन परियोजना का अनुमानित वित्तीय परिव्यय 2127.28 करोड़ रुपये प्रस्तावित है। डी.पी.आर. जल्द ही माननीय मंत्री, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा समर्पित की जायेगी।

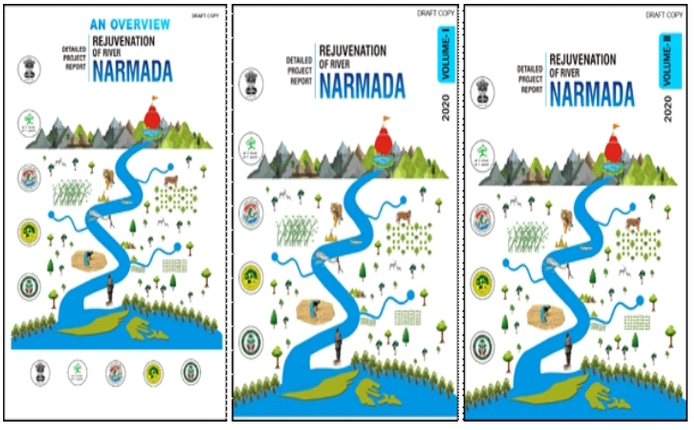

दीर्घकालिक निगरानी के माध्यम से भारतीय वनों पर जलवायु संचालित प्रभावों का अध्ययन

11 प्रमुख वृक्ष प्रजातियों के 128 वृक्षों में फीनोलॉजिकल अध्ययन किया गया। चयनित पेड़ों को जियोटैग किया गया और ऊंचाई, जी.बी.एच., एवं पत्तियों, फूलों और फलों पर आकड़े एकत्रीकरण

भारत के अवक्रमित शुष्क भूमि और रेगिस्तान में वनस्पति आवरण और लोगों की आजीविका को बढ़ाकर मरुस्थलीकरण का मुकाबला करना

अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत्, उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर ने बरखेड़ा वन चौकी, सतलगढ़ रेंज, मुरैना वन विभाग में स्वचालित मौसम स्टेशन (ए.डब्ल्यू.एस) स्थापित किया है।

लेप्टोकोरिसा एक्यूटा, एनोप्लाक्नेमस फासियाना और कैलिटेटिक्स वर्सीकोलर के तीन नए दल के रूप में दर्ज किये गये, जोकि बंबुसा टुल्डा बॉस प्रजाति पर प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं एवं अन्य बाँस की प्रजातियों पर लक्षण देखे गए जैसे पत्ती पर छेद हो जाना और पत्तियों का रंग फीका पड़ जाना आदि

बांस के तने पर एनोप्लेन मुस्फासियाना के हाइरोग्लिफस बैनियन मण्डली के वयस्क

पेलोपिडास मथियास के वयस्क

पी. कॉलेसलिस के लार्वा और इसके नुकसान के लक्षण

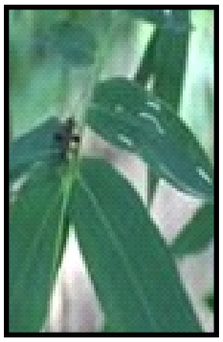

नोटोबाइटस मेलीग्रिस के वयस्क और इसके नुकसान

अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाएं / अनुदान:

- यूएसएआईडी परियोजना– ''भारत में कार्बन स्टॉक, कृषि–जैव विविधता और कृषि समुदायों के लिए आजीविका में सुधार के लिए वन (टीओएफ) के बाहर पेड़ों के नीचे क्षेत्र को बढ़ाने के लिए हस्तक्षेप'' वित्तीय परिव्यय के साथ उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर को राशि रू0 1.87 करोड का अनुदान प्रदान किया गया है।

वित्तीय परिव्यय के साथ ''भारत में गैर–लकड़ी वन उत्पादों के टिकाऊ प्रबंधन और उपयोग के माध्यम से वन–आश्रित समुदायों की आजीविका में वृद्धि'' नामक एक परियोजना प्रस्तुत की गई है, यह परियोजना जापान की अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एजेंसी जे.आई.सी.ए. (जीका) में राशि रू0 3736.70 लाख के अनुदान हेतु विचाराधीन है।

टी.एफ.आर.आई.
समाचार पत्र

अंक - 1 जनवरी-फरवरी 2022

समझौता ज्ञापन (एम0ओ0यू0)

आईसीएआर– भारतीय मृदा और जल संरक्षण अनुसंधान केंद्र, (IIWCRC), दतिया
इंटरनेशनल सेंटर फॉर रिसर्च इन एग्रोफोरेस्ट्री, नैरोबी, केन्या

परामर्शदात्री सेंवाये (कंसल्टेंसी)

- लुप्तप्राय प्रजातियों सहित वन्यजीव संरक्षण की तैयारी जैसे – सुस्त भालू (स्लॉथ बियर) और मॉनिटर छिपकली तथा अन्य चर्चा कोलियरी और कटकोना कोलियरी, एस0ई0सी0एल0,बैकुंठपुर क्षेत्र (छ.ग.) के लिए वन्यजीवों के प्रभाव का व्यापक अध्ययन का कार्य।
- भटगांव यूजी, महामाया यूजी, कल्याणी यूजी और एस0ई0सी0एल0,भटगांव क्षेत्र (छ.ग.) के दुग्गा ओ0सी0एम0 के लिए वन्यजीव संरक्षण योजनायो का कार्य।
- वनस्पतियों और जीवों का अध्ययन और लुप्तप्राय प्रजातियों सहित वन्यजीव संरक्षण योजना की तैयारी, यदि कोई हो साथ ही राजेंद्र यूजी और दामिनी खान, एस.ई.सी.एल. सोहागपुर क्षेत्र (मध्य प्रदेश) के लिए वन्यजीवों पर खनन के प्रभाव का व्यापक अध्ययन का कार्य।
- डी.एस.बी. उप क्षेत्र, एस.ई.सी.एल. कोरबा क्षेत्र (छ.ग.) की ढेलवाडीह यूजी, बगदेवा यूजी और सिंघली यूजी खदानों में और उसके आसपास पाई जाने वाली लुप्तप्राय प्रजातियों के लिए वन्यजीव संरक्षण योजना की तैयारी का कार्य।
- एन.टी.पी.सी. लिमिटेड की निगरानी 10 मिलियन वृक्षारोपण का त्वरित वनीकरण कार्यक्रम – सात राज्यों (मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र) में ।
- ए.पी.एम.एल., गोंदिया में राख उपयोग संवर्धन और अनुसंधान पार्क के विकास के लिए कार्यान्वयन योग्य वानिकी अनुसंधान का कार्य।
- पायलट अध्ययन का ओडिशा के क्योंझर जिले में दुबुना सकराधि लौह और मैंगनीज अयस्क खानों में रुक–रुक कर अवधि के लिए लघु चक्रीय वानिकी फसलों को उगाने का कार्य।
- राज्य वन विभाग, ओडिशा के लिए गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री विकसित करने के लिए मानक संचालन प्रक्रियाओं का विकास इसमें टी. एफ.आर.आई.,जबलपुर और एफ0आर0आई0, देहरादून सहयोगी संस्थान है।
- छत्तीसगढ़ क्षेत्र 2020–21 में ए.पी.ओ. के तहत कैम्पा कार्य की निगरानी और मूल्यांकन (भाग– I, II & III)।

संस्थान में गणमान्य व्यक्तियों का दौरा कार्यक्रम

श्री बालकृष्ण पाठक अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य पारंपरिक एवं औषधीय पादप बोर्ड द्वारा दि0 18.02.2022 को उ.व.अ.स., जबलपुर का दौरा किया।

परिचायात्मक दौरा

नवोदय विद्यालय, बरगी नगर एवं केंद्रीय विद्यालय जबलपुर के छात्रों द्वारा दि0 05.01.2022 को उ.व.अ.स., जबलपुर का दौरा कर संस्थान में होने वाली वैज्ञानिक गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की।

टी.एफ.आर.आई.
समाचार पत्र

अंक – 1 जनवरी–फरवरी 2022

विस्तार गतिविधियां (एस.एफ.डी./उद्योगपति/अन्य)

- साल हर्टवुड बोरर एच. स्पिनिकोर्निस का प्रबंधन'' पर चार (4) प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए, दक्षिण कोंडागांव के वन मंडलों के अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों के लिए 21.12.21 को रेंज अमाबेड़ा, 23.12.21 को पूर्वी भानुप्रतापुर, 25.12.21 को रेंज मैनपुर और 26.12.21 को नवागढ़, घड़ियाबंद वन मंडल के लिए।
- बेधक भृंगों के प्रबंधन के लिए बेधक प्रभावित पेड़ों का वर्गीकरण और ट्रैप ट्री संचालन का प्रदर्शन किया। प्रशिक्षण कार्यक्रमों के दौरान साल बेधक पर पत्रक वितरित, बेधक प्रभावित पेड़ों का वर्गीकरण और ट्रैप ट्री संचालन ।

नवागढ़ रेंज में साल ट्री में साल हार्ट वुड बेधक के प्रबंधन का फील्ड प्रदर्शन

अमाबेड़ा रेंज, दक्षिण कोंडागांव वन प्रभाग में ट्री ट्रैप विधि का क्षेत्र प्रदर्शन

अमाबेड़ा रेंज, दक्षिण कोंडागांव वन प्रभाग में साल बेधक के विभिन्न जीवन चरणों की पहचान

राज्य वन विभाग के कर्मचारियों के लिए कीट के हमलों के लक्षण का प्रदर्शन किया, साथ ही उवअस, जबलपुर द्वारा विकसित ट्राइकोकार्ड तकनीक के बारे में संबंधित वन मण्डल अधिकारी और अन्य अधिकारियों को जानकारी दी, साथ ही प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन प्रदान करने के बारे में चर्चा की।

मैनपुर रेंज, छत्तीसगढ़ में राज्य वन विभाग के अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों पर कीट हमले के लक्षणो का प्रदर्शन

कार्यशाला

'शून्य बजट प्राकृतिक खेती' पर संस्थान स्तरीय मासिक संगोष्ठी (वेबिनार) का आयोजन दि0 07/01/2022 को किया गया।

टी.एफ.आर.आई.
समाचार पत्र

अंक - 1 जनवरी-फरवरी 2022

आयोजन में भाग लेना

उ.व.अ.स., जबलपुर ने दि0 22–28 फरवरी, 2022 को प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आयोजित आजादी का अमृत महोत्सव के तहत् ''विज्ञान सर्वत्र पूज्यते'' के लिए भा.वा.अं.एवं शि.परि., देहरादून के पंडाल में प्रतिनिधित्व हेतु पोस्टर और लाइव सामग्री (ट्राइको कार्ड) का योगदान दिया।

प्रकाशन / पब्लीकेशन :

Naseer Mohammad, Ankur Dahayat, Yogesh Pardhi, Muthu Rajkumar, Shamim Akhtar Ansari and Fatima Shirin (2022). "Inferring genetic diversity and population structure of India's Natural Teak (Tectona grandis L.f.) Germplasm bank." in Genet Resour Crop Evol., published online January 10, 2022.

Mohan and S. Sowmyapriya (2022). Study on invitropathogenicify of various semi synthetic media on pathogenicity of Metariziumanisopliae against Spodoptera litura. *Indian Journal of Tropical Biodiversity* 28(162):94-96.

Saikat Banerjee, M. Rajkumar and S.K. Banerjee (2022). *"*Healthy Soil- A Living Ecosystem for Agricultural and Environmental sustainability*"*. *Indian Journal of Tropical Biodiversity.* 28(1&2):1-11.

Nanita Berry and Indu Meravi (2021). *"*Performance of Asparagus racemosus and saponin content under Gmelina based agroforestry system*"*. *Indian Journal of Tropical Biodiversity:* 28 (1&2) 89-92.

Hari Om Saxena Scientist ,, D Parihar S. and Pawar G. (2022). *"*Simultaneous determination of betuniilic acid, B-stosterol and Lupol in fruit,leves, root and stem bark of Dillania pentagyna Roxb. by a validated high-performance thin layer Chromatography method*"*. JPC-*Journal of Chromatography.*-Modern TLC. O:1,12

Dr. Hari Om Saxena , Pawar G., Rao, G. R. and SahuV.P., Comparative analysis of Phenolic content in Salanum indicum L. harvested from different location of Madhya Pradesh state of India*"*.

Book chapter published on *"*Nursery Input Management: Present and Future Perspectives*"* in the book released during HRD training module on *"*Nursery development and vegetative propagation*"* on 17th -21st Jan. 2022 for ICFRE Technical Staff.

Mohan C, G. Rajeswar Rao and R.K. Malviya (2022) Monitoring of sal heart wood borer Hoplocerambyx spinicornis in Chhattisgarh. *The Pharma Innovation Journal.* 11 (2) 438-442.

Mohan C and S. Sowmya Priya (2022). Studies on invitro pathogenicity of various semi synthetic media on pathogenicity of Metarhizium anisopliae against Spodoptera litura. *Indian Journal of Tropical Biodiversity* 28 (162): 94-96.

टी.एफ.आर.आई.
समाचार पत्र

अंक - 1 जनवरी-फरवरी 2022

संरक्षक
डॉ. जी. राजेश्वर राव, ए.आर.एस.
निदेशक
उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर।

सम्पादकः
श्रीमती नीलू सिंह, वैज्ञानिक–जी
समूह समन्वयक (अनुसंधान)
उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर।

तकनीकी सहयोगः
श्री हीरालाल असाटी,
वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी,
उवअसं, जबलपुर

श्रीमती निकिता राय,
वरिष्ठ तकनीकी सहायक,
उवअसं, जबलपुर

श्री विजय कुमार काले,
आशुलिपिक ,उवअसं, जबलपुर

संपर्क/पत्राचार हेतु पता –

निदेशक,
उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान,
(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद)
डाकघर– आर. एफ. आर. सी., मण्डला रोड
जबलपुर – 482 021 (म.प्र.)

फोन नंबर : 91–761–2840010
फैक्स नंबर : 91–761–2840484

वेबसाइट : https://tfri.icfre.gov.in
ईमेल : dir_tfri@icfre.org

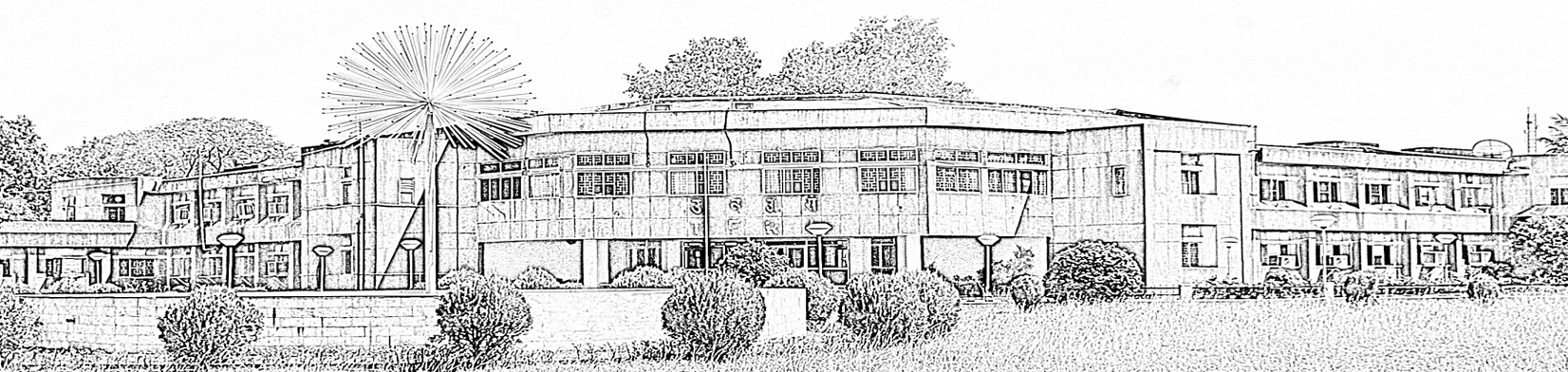

टी.एफ.आर.आई.
समाचार पत्र

अंक – 1 जनवरी–फरवरी 2022

अनुसंधान कार्य के प्रमुख क्षेत्र

- आजीविका समर्थन और आर्थिक विकास के लिए वनों और वन उत्पादों का प्रबंधन
- जैव विविधता संरक्षण और पारिस्थितिक सुरक्षा
- वन आनुवंशिक संसाधन प्रबंधन और वृक्ष सुधार
- वन और जलवायु परिवर्तन
- विंध्य, सतपुड़ा व मैकल पहाड़ियों व पश्चिमी घाटों का ईको बहाली, खनन क्षेत्रों का पुनर्वास
- कृषि वानिकी मॉडल का विकास और प्रदर्शन
- वन संरक्षण
- जैव उर्वरक और जैव कीटनाशक
- गैर लकड़ी वन उत्पाद
- जैव विविधता मूल्यांकन, संरक्षण और विकास
- टिकाऊ वन प्रबंधन
- रोपण स्टॉक में सुधार
- जलवायु परिवर्तन
- पर्यावरण सुधार
- वन उत्पादों का विकास
- वन विस्तार